

## **Public Dialogue on Maternal Health**

**29<sup>th</sup> April 2016 Gandhi Bhawan**

**Bhopal, Madhya Pradesh**

### **Introduction**

Maternal Health Rights Campaign (MHRC) organised a Public Dialogue on Maternal Health in Bhopal on 29<sup>th</sup> April 2016 at the Mohaniya Hall in Gandhi Bhawan, Bhopal. The objective of the public dialogue was to shed light on the grave and poor state of maternal health services in various districts of Madhya Pradesh by means of Community Based Monitoring (CBM) carried out in 18 districts. The CBM findings were showcased in the form of a multimedia presentation as well as a report. The findings were taken from 125 facilities (CHC, PHC and Sub-centre) and 162 village-level services (Aarogya Kendra, VHND and Female Sterilisation Camp) where group discussion was done with 474 women and exit interview was performed with 118 women. A status report on maternal health in Madhya Pradesh based on secondary data along with the 4<sup>th</sup> MHRC newsletter was also released during the public dialogue. It commenced at 10.30 am and was facilitated by members of the MHRC.

### **Members**

There were close to 100 people at the public dialogue, which included 12 media personnel. Among those present were representatives from public health resource organisations, civil society organisations from 17 districts (Sidhi, Satna, Rewa, Shahdol, Annupur, Singrauli, Morena, Bhind, Datiya, Sheopur, Bhopal, Vidisha, Raisen, Chindwara, Betul, Hoshangabad and Sehore), grass-root movements such as Ekta Parishad, members from the community and families of victims of maternal and child mortality. The government was represented by Dr. Archana Mishra (Deputy Director, Maternal Health) and Dr. Shalini, from Maternal Health division of the National Health Mission, Madhya Pradesh.

### **Key Issues Raised**

1. Poor condition of services, especially emergency obstetric care services. Shortage of specialists, blood banks, C-section facilities was evident in both secondary data and CBM findings.

2. Unwarranted referrals, often without even a single examination, from not just PHC and CHC but from District Hospitals as well, which should be equipped to admit and treat patients without referral.
3. Lack of any skilled birth attendant for home births despite some districts having as high as 50% home births.
4. Ill-treatment and physical abuse of poor and marginalised pregnant women by doctors in government facilities. Lack of proper and timely dissemination of ambulances under Janani Express Yojana which causes delay in pickup of patients. The patients bear out of pocket expenditure in availing private vehicles for pick-up, referral and drop-back.
5. If after getting referred, the recipient decides mid-way to avail private treatment instead, ambulances refuse to transfer the patient from a government facility to a private one.
6. ASHA and ANM do not cover their areas efficiently, charge money from the family of the patient and are unavailable in PHC for emergency delivery at night.
7. Patients are made to believe that they cannot undergo normal delivery for unsubstantiated reasons and they are pushed towards a caesarean delivery.

### **Response from government representatives**

1. Proper investigation into the cases and then relaying the information to the MHRC would be done.
2. New activities will be introduced, one of which being a Behaviour Training with nurses and ANMs by UNICEF to make them sensitive and mitigate the practice of charging money from patients. In a similar light, the government had recently made a short film based on the Maternal Mortality Ratio of Sagar and Raisen districts to raise awareness among the people and focuses on sensitising health care service providers.
3. An integrated call centre will be developed to address all maternal health related problems. In the interim period a state-run helpline number (0755-4092523) can be reached for any health related problems.
4. It was agreed that maternal deaths are preventable and that state-wide Maternal Health Camps will be started which will provide iron tablets, detection of tumours in the abdomen, infertility tests etc. free of cost.

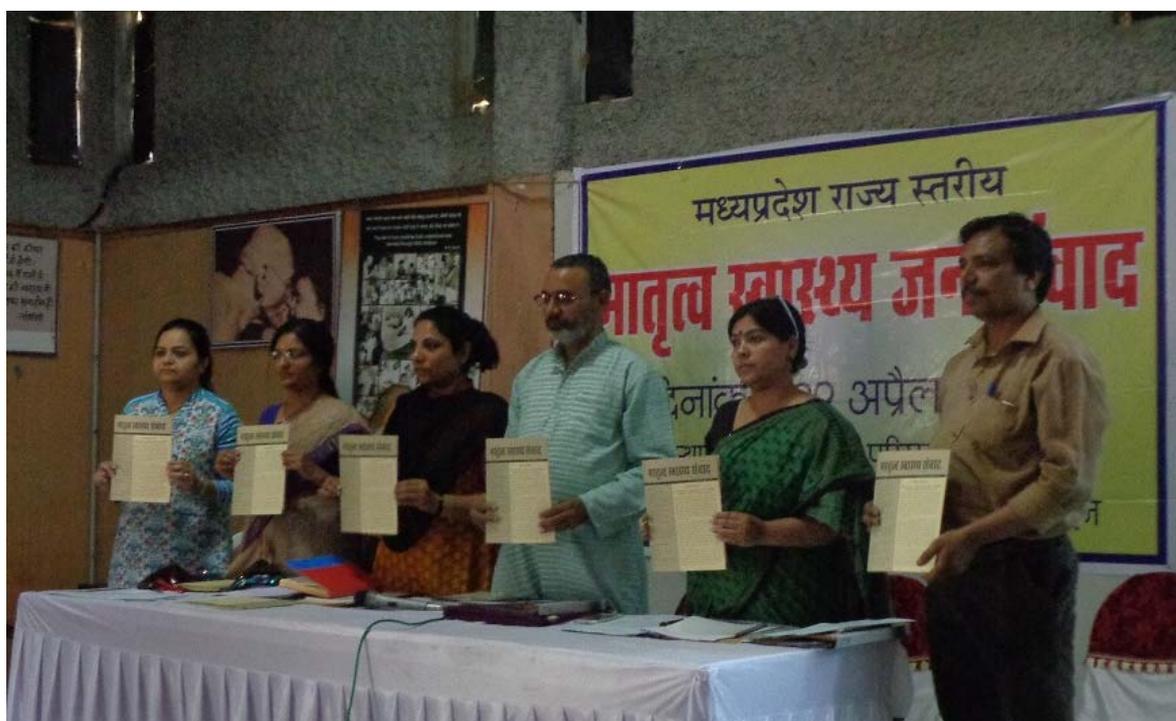
5. An appraisal of all the employees of NHM, including nurses and ANMs, will be carried out and those not performing up to the mark will not receive renewed contracts.
6. Data from the Mother and Child Tracking System will be analysed and the major causes of death during home delivery will be enlisted. At the same time, *Dai* (traditional birth attendant) from 1046 villages will be given training to become Skilled Birth Attendants and also to administer Misoprostol tablet to reduce bleeding after delivery.



*Parents of Preeti from Datiya district who lost their daughter and her unborn child as they were unable to pay the hospital bills*



*Members of the community from various districts of Madhya Pradesh*



*Release of the 4<sup>th</sup> Maternal Health Rights Campaign Newsletter by Dr. Shalini, Dr. Archana Mishra, Ms. Upasana, Mr. Arun Tyagi, Ms. Prarthana Mishra and Mr. Rajesh Bhadoriya (left to right)*

# Media Coverage

Media coverage of the public dialogue can be found below:

<b>Temperature</b> <b>06.48</b> सर्वाधिक <b>41.4</b> अधिकतम (+01) <b>05.47</b> सर्वाधिक <b>25.2</b> न्यूनतम (-01) पूर्वानुमान: आंशिक बादल छाए रहेंगे। <a href="http://www.peoplessamachar.com">www.peoplessamachar.com</a>	<b>भोपाल, इंदौर में पासपोर्ट जेला 7 और 8 गड़ को</b> भोपाल। पासपोर्ट आवेदनकी की सुविधा के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय 7 एवं 8 गड़ को भोपाल और इंदौर स्थित कार्यालय में पासपोर्ट सेवा लागू किया। इंदौर केय में धार, खरगोन, बड़वानी, झाबुआ, अलीराजपुर, खंडवा और बुरहानपुर के आवेदनक शामिल हो सके।	<b>आपन</b> भापाल
--	---	---------------------

## 14 जिलों के सर्वे में सामने आई हकीकत, कैसे मिलेगा महिलाओं को इलाज? नब्बड बैंक, न सर्जरी की सुविधा

रजनीत लखटे • भोपाल  
 संपादन नं. 7692954779

प्रदेश सरकार संस्थानगत प्रसव के लिए जननी सुरक्षा, जननी एबुलोस जैसी

योजनाएं चला रही है, लेकिन सरकारी अस्पताल में प्रसव के लिए पहुंचने वाली महिलाओं के परिजनों को अक्सर सुखद प्रसव की जगह महिला और बच्चे की मौत

की सूचना मिलती है। प्रदेश के 14 जिलों में एक स्वास्थ्य संगठन की ओर से किए गए सर्वे के अनुसार, प्रदेश के ज्यादातर स्वास्थ्य केंद्रों में आज भी प्रसव के लिए

जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। यही वाजह है कि ये अस्पतालतुम इमारतें महज रेफरल सेंटर बन कर रह गई हैं।

### केस-1

#### चार बार रेफर हुई चंदना, मौत

सतना जिले के खमरिया गांव में 22 वर्षीय चंदना दूसरी बार मां बनने वाली थी। चंदना के पेट में आठ मास का गर्भ था, तभी एक दिन अमानक बुखार आने पर परिजनों ने गांव में कार्यरत एमबी बच्चनकर 'गुप्तसिंह' को दिखाया। 'गुप्तसिंह' ने चंदना को मसूरिया बगाने हुए उसे आईसी यूएच भेजा। उसके बाद चंदना को मां में 'पहली' गई। परिजन उसे लेकर चंदना अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां भी रात में 9 बजे उठे देखा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। वहां चंदना का मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। वहां चंदना का मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। वहां चंदना का मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया।

इलाज तो हुआ पर 4 सितम्बर की सुबह उसे जलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इधर हुए परिजन जलपुर की जगह सतना के ही एक निजी अस्पताल ले गए। वहां भी डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी। चंदना के ससुर रामचरण बताते हैं कि हम एक बार फिर से जिला अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां फिर से वहां देखकर डॉक्टरों और स्टाफ के लोग बिचर रहे। 1 रर रात क्या-क्या गैरतारों के इलाज के बाद चंदना को भती किया गया। जगह में पता चला कि उसके पेट का बच्चा मर चुका है। इसके बाद जिला अस्पताल ने एक बार उसे मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया, लेकिन परिजनो ने मेडिकल कॉलेज को जाने से इनकार कर दिया। 9 सितम्बर को 11 बजे चंदना की मौत हो गई। चंदना के पूरे घर की अस्पताल ने वाहन उपलब्ध नहीं करवाया। यही नहीं, परिजनो ने खुद ही चौर-फाड़ करके चंदना के बच्चे को पेट से निकाला और दोनों का अहम-अहम अंतिम संस्कार किया।



सर्वे की जानकारी देते मातृत्व हकदारी अभियान के सदस्य।

### ऐसे हुआ सर्वे

मातृत्व स्वास्थ्य हकदारी अभियान की ओर से प्रदेश के 14 जिलों में किए गए इस सर्वे में भोपाल संभाग के धार, खरगोल संभाग के धार और खंडवा संभाग के चार जिले शामिल हैं।

### सीएचसी- नहीं है सर्जरी और ब्लाड बैंक की सुविधा

सर्वे के अनुसार, 14 जिले के 25 सीएचसी में से 17 केंद्रों में ऑपरेशन थियेटर है, लेकिन इनमें से केवल 3 में ही ऑपरेशन से प्रसव करवाया जाता है। केवल 3 सीएचसी में ही ब्लड बैंक की सुविधा है। इसी कारण केवल छह सीएचसी में ही स्त्री योग विशेषज्ञ उपलब्ध है।

### पीएचसी- रात में नहीं होता प्रसव

34 पीएचसी में से 35 प्राइसद पीएचसी में 24 घंटे प्रसव सेवा उपलब्ध नहीं है, क्योंकि यहां नियुक्त डॉक्टर एवं स्टाफ नर्स अस्पताल से काफी दूर रहते हैं।

### अनावश्यक रेफरल पर लगे रोक

मातृत्व स्वास्थ्य हकदारी अभियान ने शुक्रवार को गांधी भवन में अपनी सर्वे रिपोर्ट जारी की। इस दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की उपसंचालक अर्चना मिश्रा भी मौजूद रही। 14 जिलों के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य सुविधाओं और सरकारी कर्मचारियों को मंत्रालय के प्रति संवेदनशील बनाने की मांग की। अभियान के संयोजक अजय चाल ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों के डॉक्टरों में रेफर करने की प्रवृत्ति बहुत ज्यादा है।

### केस-2

#### सर्जरी के लिए मांगा पैसा, मौत

23 साल की प्रीति पटना तीसरी बार गर्भवती थी। वह प्रसव के लिए किारपुरी से अपने मांके परिवार आई थी। प्रीति ने 5 मार्च को सतना जिला अस्पताल के स्त्री योग विशेषज्ञ डॉ. अजय सिंह को उनके घर पर दिखाया। डॉ. सिंह ने उसे परिवार की सोने-माली मंजीब खारब बतानेकर झांसी जाकर सोने-माली कमाने की सलाह दी। यही नहीं, उन्होंने प्रीति को खून की कमी बताते हुए एक युनिट खून भी दिया, जिसके लिए 4,500 रूपए लिए। 9 मार्च को प्रीति प्रसव पीड़ा होने पर जिला अस्पताल पहुंची, लेकिन वहां डॉ. अमल्लि मंडेलिया ने कहा कि प्रसव का समय अभी नहीं आया है, इसे घर ले जाइए। दूसरी तरफ प्रीति दर्द से तड़प रही थी। प्रीति की मां मीरा के अनुसार, डॉ. मंडेलिया ने कीजन करने के लिए दरस हजार रूपए मांगे। चूरी बीच प्रीति को इलाज नहीं हो गई और डॉक्टरों ने रात साढ़े नौ बजे उसे झांसी रेफर कर दिया। परिजन उसे ले जाने के लिए गाड़ी को व्यवस्था कर रहे थे, तभी प्रीति को मृत्यु हो गई। प्रीति के पिता संस्थानगत का कहना है कि डॉक्टरों ने प्रसव करते प्रीति को देखते तो उसकी जान बच जाती। यही नहीं, अस्पताल के डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम के पहले उनको बहुत सारे पैपर पर साइन करवा लिए। परिजनो ने इस बारे में सतना पुलिस में शिकायत की है, लेकिन अभी तक आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

### प्रीति के पिता मंत्राराम और मां मीरा



[http://www.rubarunews.com/2016/05/blog-post\\_57.html](http://www.rubarunews.com/2016/05/blog-post_57.html)